हमारी प्यारी राधा के रत्न रंगीले नैना

धुन : रस भरे रसिया के

हमारी प्यारी राधा के, रत्न रंगीले नैना
रस बरसे रस रूप माधुरी, रसमय रसीले बैना

1. अंग अंग सुकुमारी राधा, अलक पलक कजरारी राधा
   कोटि चंद्र उजियारी राधा, सुंदरता का गहना,
   हमारी प्यारी राधा के, रत्न रंगीले नैनां...

2. रसेश्वरी रस रंगीनी राधा, श्री कृष्ण की संगिनी राधा
   श्री वृषभानु नंदिनी राधा, दामा भैया की बहना,
   हमारी प्यारी राधा के, रत्न रंगीले नैनां...

3. स्वर्णलता मधु गोरी राधा, मधुर शांत रस भोरी राधा
   भोरी नवल किशोरी राधा, छम छम बाजे पायना,
   हमारी प्यारी राधा के, रत्न रंगीले नैनां...

4. “मधुपहरि” मन भावन राधा, तीन लोक बड़भागन राधा
   निशदिन सदा सुहागिन राधा, नित नूतन मुस्काना,
   हमारी प्यारी राधा के रत्न रंगीले नैनां...

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण ‘मधुप’ (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : पूनम यादव

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36913/title/hamari-pyari-radha-ke-ratan-rangile-naina

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |